ENTREPRENUERSHIP & START-UP

- **TOPIC:- ENTREPRENUER & BUSINESSMAN**

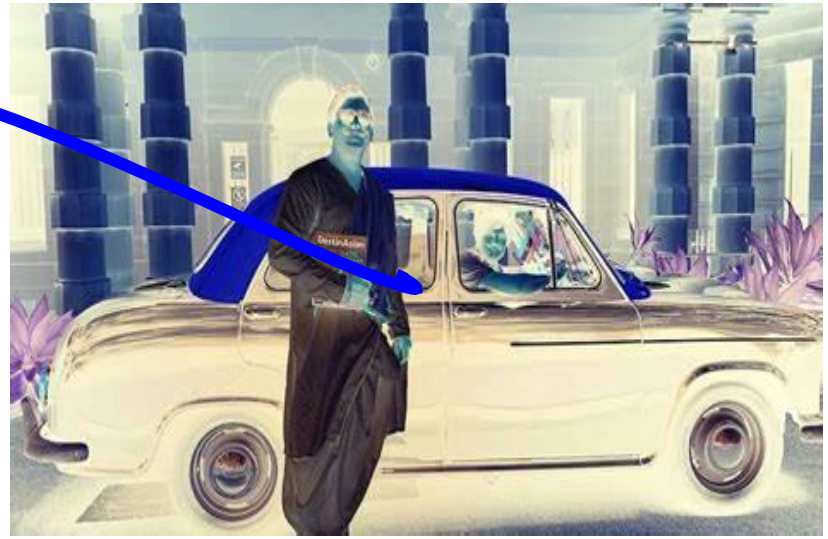

- **Bhavish Aggarwal the CEO of OLA Cabs is an entrepreneur & the activity performed by him is called entrepreneurship while the taxi driver who is the owner of taxi is a business man & the activity performed by him is called business.**

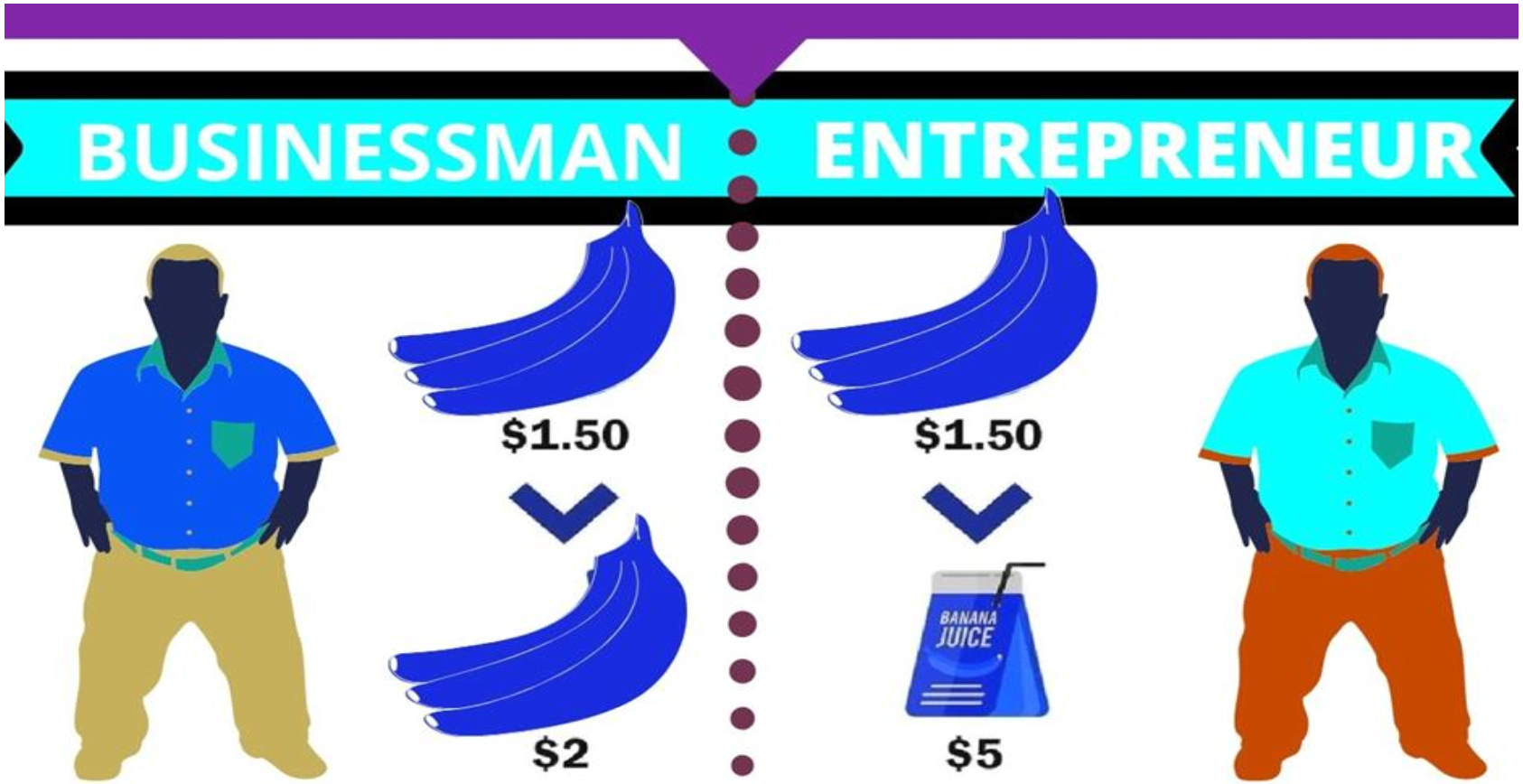
BUSINESSMAN
ENTREPRENEUR
$1.50
$2
$1.50
BANANA JUICE
$5

- **MEANING OF ENTREPRENUER:-**

- **An entrepreneur is a person who can visualize & materialize water in desert.**

- एक उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो रेगिस्तान में पानी की कल्पना कर सकता है और उसे प्राप्त कर सकता है।

- **His foresightedness , motivation, persistent effort , ability to presume the risk involved ,their outcomes & trust to achieve the desired goals , facilitate him to convert idea into reality.**

- उनकी दूरदर्शिता, प्रेरणा, निरंतर प्रयास, शामिल जोखिम को समझने की क्षमता, उनके परिणाम और वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विश्वास, उन्हें विचार को वास्तविकता में बदलने में मदद करते हैं।

- **There is misconception about entreprenuers that they are opportunity –seekers & selfish people , but in reality they are highly driven people trying to find solution to the “needs of people”**

- उद्यमियों के बारे में गलत धारणा है कि वे अवसर-चाहने वाले और स्वार्थी लोग हैं, लेकिन वास्तव में वे अत्यधिक प्रेरित लोग हैं जो "लोगों की जरूरतों" का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

- **Entreprenuer is derived from the word ‘entreprendre’ which means to “undertake”.**

- एंटरप्रेन्योर 'एंटरप्रेन्डर' शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है प्रारंभ"" करना

➢ DIFFERENCE BETWEEN ENTREPRENUER & BUSINESSMAN

ENTREPRENUER	BUSINESSMAN
➢ An entrepreneur is a person who uses his idea to run a start up company.	➢ A businessman is a person who start a business on an existing concept or idea.
➢ Creates the market for his own business & is considered as market leader.	➢ Makes his place in existing market & becomes a market player.
➢ Faces a lot of risk & there is good chance of failure.	➢ Less risk as it follow path created by other businessman.
➢ Uses quite unconventional method.	➢ Mostly uses traditional method.
➢ Primarily focus to solve the problem of society.	➢ Primarily focus on profit.

DEFINATION OF ENTREPRENUER

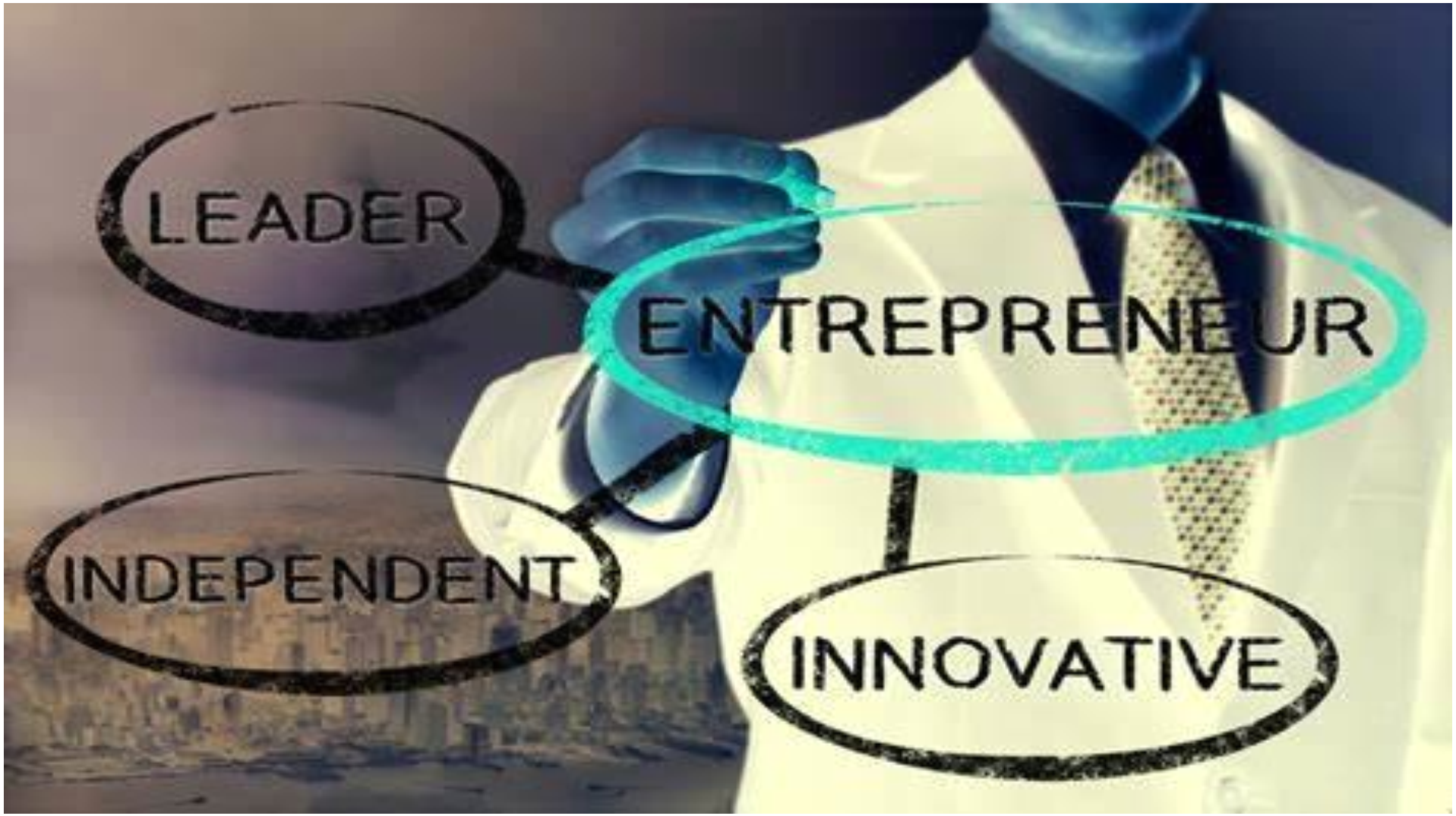

- The word “entrepreneur” refers to a kind of person who can undertake an enterprise with chance of both profit & loss.

- शब्द "उद्यमी" एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है जो लाभ और हानि दोनों के अवसर के साथ एक उद्यम शुरू कर सकता है।

- “Entreprenuer” is a person who undertake a business activity of which he has no background & faces considerable risk in the process.

- "उद्यमी" एक ऐसा व्यक्ति है जो ऐसी व्यावसायिक गतिविधि करता है जिसकी उसकी कोई पृष्ठभूमि नहीं है और इस प्रक्रिया में काफी जोखिम का सामना करता है।

- If either of the two element ie “no background” and “considerable risk” is missing in venture / enterprise undertaken by the person then the person is not considered as an entrepreneur.

- यदि किसी व्यक्ति द्वारा किए गए उद्यम/उद्यम में दोनों में से कोई भी तत्व अर्थात "कोई पृष्ठभूमि नहीं" और "पर्याप्त जोखिम" गायब है तो व्यक्ति को उद्यमी नहीं माना जाता है |

- Entrepreneur are the socio-economic people who can detect & sense the business opportunity in the society. They establish & run an enterprise inorder to provide product & services to the society to fulfill the needs of society & earn profit in return of it.

- उद्यमी सामाजिक-आर्थिक लोग हैं जो समाज में व्यवसाय के अवसर का पता लगा सकते हैं और महसूस कर सकते हैं। वे समाज की जरूरतों को पूरा करने और इसके बदले में लाभ कमाने के लिए समाज को उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने के लिए एक उद्यम की स्थापना और संचालन करते हैं।

- Defination of entrepreneur by some author:-

- 1. JOPSEPH A SCHUMPETER:-
- He refers entrepreneur as an innovator who initiate the process of economic & social development through introduction of new technology, new market, new product, new service by establishing new organization / industry/enterprise/venture.

- वह उद्यमी को एक नवप्रवर्तक के रूप में संदर्भित करता है जो नई तकनीक, नए बाजार, नए उत्पाद, नए संगठन/उद्योग/उद्यम/उद्यम की स्थापना करके नई सेवा की शुरुआत के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक विकास की प्रक्रिया शुरू करता है।

- H.W.JANSON:-
- Entrepreneur is a person which characterized of three things invention, innovation, adoption.
- उद्यमी एक ऐसा व्यक्ति है जो आविष्कार, नवाचार, गोद लेने की तीन चीजों की विशेषता रखता है।
- According to international labour organization:-
- Entrepreneur are those are those people who has ability to see & evaluate business opportunity , together with necessary resources to take advantage of them & to initiate appropriate action to ensure success.
- उद्यमी वे लोग होते हैं जो व्यवसाय के अवसरों को देखने और उनका मूल्यांकन करने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उनका लाभ उठाने के लिए आवश्यक संसाधन और सफलता सुनिश्चित करने के लिए उचित कार्रवाई शुरू करते हैं।

TRAITS/QUALITIES OF ENTREPRENUER

- Innovation:-

- As we know that entrepreneurship is a process of innovation. Thus the entrepreneur must have the vision & talent of introducing new technology, new product, new market e.t.v

- An entrepreneur must be creative & the activity he perform must have uniqueness.

- जैसा कि हम जानते हैं कि उद्यमिता नवाचार की एक प्रक्रिया है। यानी उद्यमी के पास नई तकनीकों, नए बाजार, नए उत्पाद आदि को पेश करने की दृष्टि और प्रतिभा होनी चाहिए।

- उद्यमी को रचनात्मक होना चाहिए और उसके द्वारा की जाने वाली गतिविधि में विशिष्टता होनी चाहिए।

- Risk bearing:-
- The business activities performed by the entrepreneur is full of risk & uncertainties.
- Thus the entrepreneur must have the ability to face & bear these risk without any panic.
- उद्यमी द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियाँ जोखिम और अनिश्चितता से भरी होती हैं।
- उद्यमी में बिना किसी घबराहट के इन जोखिमों का सामना करने और सहन करने की क्षमता होनी चाहिए।

- Decision making:-

- Entrepreneur are independent people who like to be decision maker rather than decision implementers.

- They always like to give direction rather than take direction from other.

- Success of entrepreneur depends upon the ability to make decision promptly & accurately & this requires creative & analytical mind.

- उद्यमी स्वतंत्र लोग होते हैं जो निर्णय लागू करने वाले के बजाय निर्णय निर्माता बनना पसंद करते हैं।
- ये हमेशा दूसरों से निर्देश लेने के बजाय निर्देश देना पसंद करते हैं।

- उद्यमी की सफलता तुरंत और सटीक रूप से निर्णय लेने की क्षमता पर निर्भर करती है और इसके लिए रचनात्मक और विश्लेषणात्मक दिमाग की आवश्यकता होती है।

- Vision:-

- They must have clear & certain vision about what to do, why to do, from whom to do, where to do , & how to do.

- They must have the ability to preplan their work properly & organize their activity & resources properly before starting their work.

- क्या करना है, क्यों करना है, किससे करना है, कहां करना है और कैसे करना है, इसके बारे में उद्यमी के पास स्पष्ट और निश्चित दृष्टि होनी चाहिए।

- उनके पास अपना काम शुरू करने से पहले ठीक से अपने काम की पूर्व योजना बनाने और अपनी गतिविधि और संसाधनों को ठीक से व्यवस्थित करने की क्षमता होनी चाहिए।

- Self motivator:-
- Entrepreneur are highly motivated people who work with consistency towards the goal set by them .
- They never loose hope if encountered some initial failure.
- They always work with positive mindset .
- उद्यमी अत्यधिक प्रेरित लोग होते हैं जो अपने द्वारा निर्धारित लक्ष्य के प्रति निरंतरता के साथ काम करते हैं।
- अगर उन्हें शुरुआती असफलता का सामना करना पड़ा तो उन्होंने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी।
- वे हमेशा सकारात्मक सोच के साथ काम करते हैं।

- Self confidence:-
- Entrepreneur must have self belief & be confident towards their business, their product & decision.
- This can be only possible when they are providing quality product at reasonable prices.
- उद्यमी को अपने व्यवसाय, अपने उत्पाद और निर्णय के प्रति आत्म विश्वास और विश्वास होना चाहिए।
- यह तभी संभव हो सकता है जब वे उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हों।

- Perseverance:-

- This is the most demanded trait of entrepreneurs. Once they commit a goal they put their best effort to achieve.

- Entrepreneur are determined towards achieving success as well as growing their venture.

- They stay focused irrespective to hurdles in their way to success.

- दृढ़ता:-
- यह उद्यमियों की सबसे अधिक मांग वाली विशेषता है। एक बार जब वे एक लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं तो वे उसे प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।

- उद्यमी सफलता प्राप्त करने के साथ-साथ अपने उद्यम को बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

- वे सफलता के रास्ते में आने वाली बाधाओं के बावजूद केंद्रित रहते हैं।

- Flexibility:-
- Entrepreneur show flexibility in their decision.
- They are always ready to modify their decision in case of adverse condition.
- They change their decision in accordance to present situation.
- उद्यमी अपने निर्णय में लचीलापन दिखाते हैं।
- विपरीत परिस्थिति में अपने निर्णय को बदलने के लिए ये हमेशा तैयार रहते हैं।
- वे वर्तमान स्थिति के अनुसार अपना निर्णय बदलते हैं।

- Time management:-
- As it is said that time is money.
- All successful entrepreneur allocates the time judiciously according to the priority of activities.
- They understand every minute is precious for them , hence doesn’t give unreasonable long time for their leisure.
- समय प्रबंधन:-
- जैसा कि कहा जाता है कि समय धन है।
- सभी सफल उद्यमी गतिविधियों की प्राथमिकता के अनुसार विवेकपूर्ण ढंग से समय का आवंटन करते हैं।वे समझते हैं कि हर मिनट उनके लिए कीमती है, इसलिए उनके अवकाश के लिए अनुचित लंबा समय नहीं देता है।

MOTIVATION IN ENTREPRENEURSHIP

- Entreprenuerial motivation is defined as a process which activates & motivates the entrepreneur to contribute his best effort for achievement of his goal.

- उद्यमशीलता अभिप्रेरणा को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है जो उद्यमी को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए सक्रिय या प्रेरित करती है।

- Motivation is something which moves person to action & continues him in course of action already initiated.

- अभिप्रेरणा एक ऐसी चीज है जो व्यक्ति को कार्य करने के लिए प्रेरित करती है और उसे पहले से शुरू की गई कार्रवाई के क्रम में जारी रखती है |

- STEPS IN MOTIVATION:-

- Unsatisfied needs:- Motivation process begins when an entrepreneur need is unsatisfied or he feels something is lacking.

- अतृप्त आवश्यकताएँ :- अभिप्रेरणा की प्रक्रिया तब प्रारम्भ होती है जब किसी उद्यमी की आवश्यकताएँ पूर्ण नहीं होती या उसे कुछ कमी महसूस होती है।

- Tension:- when entrepreneur need is unsatisfied then frustration builds up in the mind.

- तनाव :- जब उद्यमी की आवश्यकता पूरी नहीं होती है तो मन में निराशा उत्पन्न होती है।

- Search behavior:- The entrepreneur selects the option available to satisfy his needs & works accordingly.

- खोज व्यवहार :- उद्यमी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध विकल्प का चयन करता है और उसी के अनुसार कार्य करता है।

- Satisfied needs:- After a period of time entrepreneur evaluate whether or not his needs are met.
- संतुष्ट आवश्यकताएँ :- कुछ समय के बाद उद्यमी मूल्यांकन करता है कि उसकी आवश्यकताएँ पूरी हो रही हैं या नहीं |

- Reduced tension:- once the needs of entrepreneur is met then his frustration & tension gets relieved.
- तनाव में कमी:- एक बार जब उद्यमी की जरूरत पूरी हो जाती है तो उसकी हताशा और तनाव दूर हो जाता है

- CONCLUSION:-

- Motivation is based on needs.

- प्रेरणा जरूरतों पर आधारित है |

- Motivation is defined as willingness of an entrepreneur to make intense & persistence effort to achieve the goal inorder to fulfill his needs.

- अभिप्रेरणा को एक उद्यमी की अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तीव्र और लगातार प्रयास करने की इच्छा के रूप में परिभाषित किया जाता है।

TYPES OF MOTIVATION

- There are various types of motivation as follows:-

1. Positive motivation:-

- It is type of motivation in which any employee of the organization is appreciated according to his capabilities which creates willingness in employee to work with full effort in order to complete his goal.

- यह एक प्रकार की प्रेरणा है जिसमें संगठन के किसी भी कर्मचारी को उसकी क्षमताओं के अनुसार सराहा जाता है जो कर्मचारी में अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरे प्रयास के साथ काम करने की इच्छा पैदा करता है।

- This type of motivation develops a positive & cheerful working environment in the enterprise.

- इस प्रकार की अभिप्रेरणा उद्यम में एक सकारात्मक और प्रफुल्लित कार्य वातावरण विकसित करती है।

2. Negative motivation:-

- Main aim of motivation is to create willingness inside the employee of enterprise to work with full effort, such motivation in which the willingness to perform the work is created or achieved by developing fear in the employee.

- अभिप्रेरणा का मुख्य उद्देश्य उद्यम के कर्मचारी के अन्दर पूर्ण प्रयास के साथ कार्य करने की इच्छा पैदा करना है, ऐसी प्रेरणा जिसमें कर्मचारी में भय उत्पन्न कर कार्य करने की इच्छा पैदा की जाती है या प्राप्त की जाती है।

- In this type of motivation the employee are afraid of punishable consiquences of not doing particular work in right way hence causes them to work with full effort.

- इस प्रकार की अभिप्रेरणा में कर्मचारियों को किसी विशेष कार्य को सही ढंग से न करने के दंडनीय परिणामों का भय होता है, इसलिए उन्हें पूरे प्रयास के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

3. Rational motivation:-

- Those motivation in which the personal analyses the benefits & drawbacks of all optional available for work to achieve his goal & enables him to work with best suitable working option.

- वह प्रेरणा जिसमें व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्य के लिए उपलब्ध सभी वैकल्पिक के लाभ और कमियों का विश्लेषण करता है और उसे सर्वोत्तम उपयुक्त कार्य विकल्प के साथ काम करने में सक्षम बनाता है।

- Emotional motivation:-

- Those motivation in which feeling & joy of success is developed in mindset of employee/ entrepreneur which creates willingness to do his work with good effort.

- वह अभिप्रेरणा जिसमें कर्मचारी/उद्यमी की मानसिकता में सफलता की भावना एवं खुशी का विकास हो जो अपने कार्य को अच्छे प्रयास से करने की इच्छा पैदा करे।

- 5. Intrinsic motivation:-
- This kind of motivation is generated internally & doesn’t need any outside factor like financial rewards, promotional reward or grades to creates willingness to do work or perform task.

- इस तरह की प्रेरणा आंतरिक रूप से उत्पन्न होती है और काम करने या कार्य करने की इच्छा पैदा करने के लिए वित्तीय पुरस्कार, प्रचार इनाम या ग्रेड जैसे किसी बाहरी कारक की आवश्यकता नहीं होती है।

6. Extrinsic motivation:-

- The motivation resulting due to outside factors like financial rewards ,promotional rewards or grades recognisation to creates willingness to do work or perform task.

- इस तरह की प्रेरणा बाहरी कारकों जैसे वित्तीय पुरस्कार, काम करने या कार्य करने की इच्छा पैदा करने के लिए ग्रेड मान्यता के लिए प्रचार पुरस्कार के कारण होती है।

- Extrinsic motivation are of two types:-

- 1.)financial motivation:-
- These motivation is monetary in nature as it can be measured in terms of money like salary, wages, allowances, bonus etc.

- ये प्रेरणा प्रकृति में मौद्रिक है क्योंकि इसे वेतन, मजदूरी, भत्ते, बोनस आदि जैसे धन के रूप में मापा जा सकता है।

- 2.) non financial motivation:-

- It is non monetary in nature as it can’t be measured in terms money.
- In this person is motivated by job enrichment, appreciation, growth opportunity etc.

- यह प्रकृति में गैर-मौद्रिक है क्योंकि इसे पैसे के संदर्भ में नहीं मापा जा सकता है।इसमें व्यक्ति नौकरी संवर्धन, प्रशंसा, विकास के अवसर आदि से प्रेरित होता है।

BUSINESS STRUCTURE

- A business structure refers to how a company wants to represent itself legally in the industry on formation on the basis of profit & loss ,taxation , liabilities, no of members. Role of members etc. It is the type of setup that allows and restricts activities a business undertakes after its establishment.

- एक व्यावसायिक संरचना से तात्पर्य है कि कैसे एक कंपनी लाभ और हानि, कराधान, देनदारियों, सदस्यों की संख्या के आधार , सदस्यों की भूमिका आदिपर उद्योग में कानूनी रूप से अपना प्रतिनिधित्व करना चाहती है। यह एक प्रकार का सेटअप है जो किसी व्यवसाय की स्थापना के बाद की जाने वाली गतिविधियों को अनुमति देता है और प्रतिबंधित करता है।

- A business structure is a legal representation of the organization of a company. It defines who owns a company and how the business distributes its profits.

- एक व्यावसायिक संरचना एक कंपनी के संगठन का कानूनी प्रतिनिधित्व है। यह परिभाषित करता है कि कंपनी का मालिक कौन है और व्यवसाय अपने लाभ को कैसे वितरित करता है।

- TYPES OF BUSINESS STRUCTURE:-

1.Sole Proprietorship 2.Partnership 3.Limited Liability Company (LLC) 4.Corporations.

- Sole Proprietorship.
- A structure is termed sole proprietorship when a person is the sole owner of a business.
- एक संरचना को एकमात्र स्वामित्व कहा जाता है जब कोई व्यक्ति किसी व्यवसाय का एकमात्र स्वामी होता है।

- It is a simple setup where the owner is the single person responsible for the daily business operations.
- यह एक सरल सेटअप है जहां मालिक दैनिक व्यवसाय संचालन के लिए जिम्मेदार अकेला व्यक्ति होता है|

- The revenues and liabilities are merged into their personal accounts, which are calculated and taxed on a personal level.

- इस प्रकार, राजस्व और देनदारियों को उनके व्यक्तिगत खातों में मिला दिया जाता है, जिनकी गणना और व्यक्तिगत स्तर पर कर लगाया जाता है।

Features of Sole Proprietorship

The main features of a Sole Proprietorship are as follows:

- Legal Formalities – No legal formalities are required to either commence or to shut down a sole proprietorship. But the owner must have a special license or certificate to run the business for specific occupations. For example, a sole proprietor planning to start a pharmacy must have a pharmacist’s degree.

- कानूनी औपचारिकताएं - एकल स्वामित्व शुरू करने या बंद करने के लिए किसी कानूनी औपचारिकता की आवश्यकता नहीं है। लेकिन विशिष्ट व्यवसायों के लिए व्यवसाय चलाने के लिए मालिक के पास एक विशेष लाइसेंस या प्रमाणपत्र होना चाहिए। उदाहरण के लिए, फार्मेसी शुरू करने की योजना बनाने वाले एकमात्र मालिक के पास फार्मासिस्ट की डिग्री होनी चाहिए।

- Risk and reward – A sole proprietor has complete ownership over the profits or losses from their firm’s operations.

- जोखिम और इनाम - एक एकल मालिक का अपनी फर्म के संचालन से होने वाले लाभ या हानि पर पूर्ण स्वामित्व होता है।

- Control – The rights and responsibilities of a sole proprietorship lies solely with its owner. No other person can interfere in the business activities of a sole proprietor without prior permission.

- नियंत्रण - एकल स्वामित्व के अधिकार और उत्तरदायित्व केवल उसके स्वामी के पास होते हैं। बिना पूर्वानुमति के कोई भी व्यक्ति एकल स्वामी की व्यावसायिक गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है।

- Unlimited Liability – The sole proprietor is liable for the success or failure of their financial transactions. In case the proprietor takes a loan and fails to repay it, the creditors can attach the business owner’s property to recover the loans.

- असीमित दायित्व - एकमात्र मालिक अपने वित्तीय लेनदेन की सफलता या विफलता के लिए उत्तरदायी होता है। यदि मालिक ऋण लेता है और उसे चुकाने में विफल रहता है, तो लेनदार ऋण की वसूली के लिए व्यवसाय के स्वामी की संपत्ति संलग्न कर सकते हैं।

- Advantages –

- Swift decisions – A sole proprietor has complete responsibility in terms of making business decisions. It results in faster decision-making for the business as there is no need to consult multiple parties for every minor issue.

- त्वरित निर्णय - व्यवसाय निर्णय लेने के मामले में एक एकल मालिक की पूरी जिम्मेदारी होती है। इसका परिणाम व्यवसाय के लिए तेजी से निर्णय लेने में होता है क्योंकि हर मामूली मुद्दे के लिए कई पक्षों से परामर्श करने की आवश्यकता नहीं होती है।

- Confidentiality – A sole proprietor can keep all business-related information to themselves as the business's only decision-maker. The law does not bind them to make the accounts of a sole proprietorship public.

- गोपनीयता - एक अकेला मालिक व्यवसाय से संबंधित सभी जानकारी को व्यवसाय के एकमात्र निर्णयकर्ता के रूप में अपने पास रख सकता है। कानून उन्हें एकल स्वामित्व के खातों को सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं करता है।

- Profit-sharing – A sole proprietor has complete ownership of profits arising from business operations. They are not obligated to share profits with anyone else.

- लाभ-साझाकरण - एक एकल मालिक के पास व्यवसाय संचालन से उत्पन्न लाभ का पूर्ण स्वामित्व होता है। वे किसी और के साथ लाभ साझा करने के लिए बाध्य नहीं हैं।

- Disadvantages –

- Lack of Resources – It is challenging to raise vast amounts of capital in a sole proprietorship compared to a partnership or company. This form of business runs mainly on personal savings and borrowings made by its owner. Lack of adequate finances can become an obstacle in growing the business.

- संसाधनों की कमी - साझेदारी या कंपनी की तुलना में एकल स्वामित्व में बड़ी मात्रा में पूंजी जुटाना चुनौतीपूर्ण होता है। व्यवसाय का यह रूप मुख्य रूप से उसके मालिक द्वारा की गई व्यक्तिगत बचत और उधार पर चलता है। पर्याप्त धन की कमी व्यवसाय को बढ़ाने में बाधा बन सकती है।

- Dependence on owner – The owner and their business are a singular entity in a sole proprietorship. While this has several advantages, the continuity of this form of business depends solely on the owner's well being. In case of death, insolvency, imprisonment, etc., it can shut down if there is no successor or heir to continue the business.

- मालिक पर निर्भरता - मालिक और उनका व्यवसाय एकमात्र स्वामित्व में एक विलक्षण इकाई है। जबकि इसके कई फायदे हैं, व्यवसाय के इस रूप की निरंतरता पूरी तरह से मालिक की भलाई पर निर्भर करती है। मृत्यु, दिवालियापन, कारावास आदि के मामले में, व्यवसाय को जारी रखने के लिए कोई उत्तराधिकारी या वारिस नहीं होने पर इसे बंद किया जा सकता है।

- Unlimited Liability – If the proprietor cannot pay debts arising out of business from its assets, his/her personal property is also at stake. This results in sole traders taking zero or very minimal risks to ensure the survival of the business.

- असीमित दायित्व – यदि मालिक अपनी संपत्ति से व्यवसाय से उत्पन्न ऋण का भुगतान नहीं कर सकता है, तो उसकी निजी संपत्ति भी दांव पर है। इसका परिणाम यह होता है कि एकल व्यापारी व्यवसाय के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए शून्य या बहुत कम जोखिम लेते हैं।

PARTNERSHIP

- A partnership is a type of business structure that is formed by a group of two or more individuals.

- साझेदारी एक प्रकार की व्यावसायिक संरचना है जो दो या दो से अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा बनाई जाती है।

- In such a business, the members mutually agree to bear the profits and losses. The profit of the business is shared between the members. Consequently, the losses are also distributed among the members.

- ऐसे व्यवसाय में, सदस्य परस्पर लाभ और हानि वहन करने के लिए सहमत होते हैं। व्यवसाय का लाभ सदस्यों के बीच साझा किया जाता है। नतीजतन, नुकसान भी सदस्यों के बीच वितरित किया जाता है।

- The members involved in the Partnership are known individually as partners , while they are collectively known as a firm. A partner in the firm will be liable for the actions of the other members of the firm.

- साझेदारी में शामिल सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से भागीदारों के रूप में जाना जाता है, जबकि उन्हें सामूहिक रूप से एक फर्म के रूप में जाना जाता है। फर्म में एक भागीदार फर्म के अन्य सदस्यों के कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा।

- The members of the firm are bound by the Partnership Deed, and no member can take a sole decision without consulting the other partners.

- फर्म के सदस्य पार्टनरशिप डीड से बंधे होते हैं, और कोई भी सदस्य अन्य भागीदारों से परामर्श किए बिना एकमात्र निर्णय नहीं ले सकता है।

- CHARACTERSTICS:-

- Two or more persons: To form a partnership, there must be at least 2 partners who are competent to contract and who are not minor, persons of unsound mind and persons disqualified by any law. The maximum number of the partners in the firm cannot exceed 50 vide Rule 10 of the Companies Rules, 2014 as prescribed by the Central Government.

- दो या दो से अधिक व्यक्ति: एक साझेदारी बनाने के लिए, कम से कम 2 भागीदार होने चाहिए जो अनुबंध करने के लिए सक्षम हों और जो नाबालिग न हों, विकृत दिमाग वाले व्यक्ति हों और किसी भी कानून द्वारा अयोग्य हों। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित कंपनी नियम, 2014 के नियम 10 के तहत फर्म में भागीदारों की अधिकतम संख्या 50 से अधिक नहीं हो सकती है।

- Agreement- Partners, who decide to start this business, have to make a formal mutual contract between them. This agreement is usually written following the norms of government act.

- एग्रीमेंट- पार्टनर्स, जो इस व्यवसाय को शुरू करने का निर्णय लेते हैं, उनके बीच एक औपचारिक आपसी अनुबंध करना होता है। यह समझौता आमतौर पर सरकारी अधिनियम के मानदंडों का पालन करते हुए लिखा जाता है।

- Share of Profit- One of the primary features of Partnership is to make and share the profit among the partners as per agreed ratios. However, the income will be distributed equally if there's no clause mentioned in the agreement about the same.

- लाभ का हिस्सा- साझेदारी की प्राथमिक विशेषताओं में से एक साझेदारों के बीच सहमत अनुपात के अनुसार लाभ बनाना और साझा करना है। हालांकि, आय को समान रूप से वितरित किया जाएगा यदि इसके बारे में समझौते में कोई खंड उल्लिखित नहीं है।

- Liabilities- In general partnerships, all the partners are subjected to liabilities. It means all of them are collectively responsible for recovering all debts of the firm, even if they have to liquidate their personal assets.

- ADVANTAGES:-

- Easy to Start- A simple agreement, verbal or written, is enough to initiate a Partnership firm.

- Flexible Operations- There is a considerable scope for making changes in the business operations and strategies if the partners think these are needed for overall growth of the firm.

- Greater Resources- Since partnership comprises financial contribution from all partners, it infuses large capital to business. As a result, it increases a firm’s borrowing capacity.

- Reduced Risk Factor- As all the incomes and losses are divided among the partners, the risk for the losing money or defaulting can be narrowed down substantially.

- Combined Skills- Another great advantage of partnership has to be the combination of unique ideas, knowledge and skills from different partners with expertise in their respective fields.

- DISADVANTAGES:-

- Unlimited liability: In a partnership business, the partners agree to share all the losses and profits between them. The partners are also entitled to take responsibility for all the debts, even if they are not their debts. The liability of all the partners is not limited. This is usually a burden on the personal properties and finances of the partners.

- Blocking of capital: If a partner wishes to withdraw their wealth from the firm, they can not do so alone. If the other partners agree to it, only then is withdrawal possible.

- Lack of public trust: The public has less confidence in partnership firms since their annual reports and accounts are not published.

- Difficulty in decision making: In a partnership business, the consent of every partner is needed before making a decision. From minor to major, all decisions require the approval of all partners.

LIMITED LIABILITY PARTNERSHIP

- In a partnership firm the liability of the partners are unlimited that is upto the extent of their personal assets also.

- एक साझेदारी फर्म में भागीदारों का दायित्व असीमित होता है जो कि उनकी व्यक्तिगत संपत्तियों की सीमा तक भी होता है।

- To overcome this problem the government introduced a law in 2008 known as LLP2008 & will become effected from 01/04/2009.

- इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने 2008 में LLP2008 के नाम से एक कानून पेश किया और 01/04/2009 से प्रभावी हो जाएगा।

- LLP is basically a partnership firm which is registered as per LLP act 2008 under the ministry of common affairs.

- एलएलपी मूल रूप से एक साझेदारी फर्म है जो सामान्य मामलों के मंत्रालय के तहत एलएलपी अधिनियम 2008 के अनुसार पंजीकृत है।

- In LLP the liability of the firm is limited to asset of the firm & limited to the contribution of partners in the firm .

- एलएलपी में फर्म की देनदारी फर्म की संपत्ति तक सीमित है और फर्म में भागीदारों के योगदान तक सीमित है।

- In LLP the liability of firm is not upto the extent of the personal asset of partners that in simple language the asset of partners are not at risk.

- एलएलपी में फर्म की देनदारी भागीदारों की व्यक्तिगत संपत्ति की सीमा तक नहीं होती है कि सरल भाषा में भागीदारों की संपत्ति जोखिम में नहीं होती है।

- In LLP firm the LLP agreement is done between partners to govern their rights & duties & to decide profit sharing as per their contribution.

- एलएलपी फर्म में भागीदारों के बीच उनके अधिकारों और कर्तव्यों को नियंत्रित करने और उनके योगदान के अनुसार लाभ साझा करने का निर्णय लेने के लिए एलएलपी समझौता किया जाता है।

- In LLP minimum two designated member are required to established the firm in which one must be resident of india.

- एलएलपी में फर्म की स्थापना के लिए न्यूनतम दो नामित सदस्यों की आवश्यकता होती है जिसमें एक व्यक्ति को भारत का निवासी होना चाहिए।

- ADVANTAGES:-

- Lower compliances & fewer regulation:-
- In LLP there is not required to appoint general manager ,company secretary as in company which means to operate the company there are not much rules & regulations to be followed.
- There is no director report culture.

- एलएलपी में कंपनी के रूप में महाप्रबंधक, कंपनी सचिव नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है, जिसका अर्थ है कि कंपनी को संचालित करने के लिए बहुत अधिक नियमों और विनियमों का पालन नहीं करना पड़ता है।
- कोई निदेशक रिपोर्ट संस्कृति नहीं है।

- Limited liability of partners:-
- In LLP the personal assets of partners are not at risk. The liability of partners are limited to their contribution in firm.

- एलएलपी में भागीदारों की व्यक्तिगत संपत्ति जोखिम में नहीं होती है।

- Better goodwill due to transparency in the system:-
- In LLP the understanding between partners are very good as because every thing is mentioned in agreement paper. There is no oral commitments each and every things are mentioned on paper & submitted in ROC (registar of company) office.

- एलएलपी में भागीदारों के बीच समझ बहुत अच्छी होती है क्योंकि समझौते के कागज में हर चीज का उल्लेख होता है। कोई मौखिक प्रतिबद्धता नहीं है और हर चीज का उल्लेख कागज पर किया गया है और आरओसी (कंपनी के रजिस्ट्रार) कार्यालय में जमा किया गया।

- LLP is a separate legal entity ie if there is death of any partners then the firm will not dissolved it will remains continues which will be not done in partnership firm.

- DISADVANTAGES:-

- Inability to raise venture capital through liquidity funding like funding from share market or mutual fund.
- लिक्विडिटी फंडिंग जैसे शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड से फंडिंग के जरिए वेंचर कैपिटल जुटाने में असमर्थता।

- Penalties upto 5 lakh if compliances are not done at right time ie tax returns are not filled at right time.

- सही समय पर अनुपालन नहीं होने पर यानी सही समय पर टैक्स रिटर्न नहीं भरने पर 5 लाख तक का जुर्माना।

- Public disclosure is the main disadvantage of an LLP. Financial accounts have to be submitted to Companies House for the public record. The accounts may declare income of the members which they may not wish to be made public.

CORPORATION

- In business structure like partnership & LLP the funds required to runs the organization are limited to the investment done by the partners of the firm. However if the organization is to be operated in large scale it requires funding which may not be fulfilled if the business structure of firm is in form of sole proprietorship , partnership, LLP.

- साझेदारी और एलएलपी जैसी व्यावसायिक संरचना में संगठन को चलाने के लिए आवश्यक धनराशि फर्म के भागीदारों द्वारा किए गए निवेश तक सीमित होती है। हालाँकि, यदि संगठन को बड़े पैमाने पर संचालित किया जाना है, तो इसके लिए धन की आवश्यकता होती है, जिसे पूरा नहीं किया जा सकता है यदि फर्म की व्यावसायिक संरचना एकमात्र स्वामित्व, साझेदारी, एलएलपी के रूप में है।

- Therefore to raise the problem of funding the organization sells portion of ownership called stock share. The individuals who purchase the stock share are called stock holders. T he stock holders invest money through purchase of stock share & became owner of the organization.

- इसलिए फंडिंग की समस्या को उठाने के लिए संगठन स्टॉक शेयर नामक स्वामित्व का हिस्सा बेचता है। स्टॉक शेयर खरीदने वाले व्यक्तियों को स्टॉक होल्डर कहा जाता है। शेयरधारक स्टॉक शेयर की खरीद के माध्यम से पैसा लगाते हैं और संगठन के मालिक बन जाते हैं।

- Thus such business structure in which owners are the stockholders are corporation. The money invested by stockholder allows the organization to enlarge the business & hopefully generate profit. The stockholder then receive a portion of profit as a return on their investment.

- इस प्रकार ऐसी व्यावसायिक संरचना जिसमें मालिक शेयरधारक होते हैं, निगम होते हैं। स्टॉकहोल्डर द्वारा निवेश किया गया पैसा संगठन को व्यवसाय का विस्तार करने और लाभ उत्पन्न करने की अनुमति देता है। स्टॉकहोल्डर को तब लाभ का एक हिस्सा उनके निवेश पर रिटर्न के रूप में प्राप्त होता है।

- Corporation is defined as a separate legal entity that separate from its business owners. It is owned by stockholders & operated by board of directors.It has all the legal rights & duties as that of an individual that is it can be suied & it can suied anyone.

- निगम को एक अलग कानूनी इकाई के रूप में परिभाषित किया गया है जो अपने व्यापार मालिकों से अलग है। यह स्टॉकहोल्डर्स के स्वामित्व में है और निदेशक मंडल द्वारा संचालित है। इसके पास एक व्यक्ति के रूप में सभी कानूनी अधिकार और कर्तव्य हैं, जिस पर मुकदमा चलाया जा सकता है और यह किसी पर भी मुकदमा कर सकता है।

- Three key types of persons in corporation:-

- Stock holders
- Board of directors
- Officers

- Stock holders:-
- Stock holders are the owners of the business organization till they hold the stock share of firm within themselves.
- They purchase share of the organization to invest money in the organization for its business expansion.
- Since they are the owners of the firm hence they elect the board of directors.

- स्टॉक होल्डर व्यवसाय संगठन के मालिक तब तक होते हैं जब तक वे अपने भीतर फर्म के स्टॉक शेयर को धारण करते हैं।वे अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए संगठन में पैसा लगाने के लिए संगठन का हिस्सा खरीदते हैं।चूंकि वे फर्म के मालिक हैं इसलिए वे निदेशक मंडल का चुनाव करते हैं।

- Board of directors :-

- They are elected by share holders.
- They develops the plan & policies to run the corporation.
- They are basically mainly either stockholders with maximum shares or top executives of the related field.
- They appoint officers to execute the plan & policies of the corporation.

- Officers:-
- They are appointed by the board of directors.
- They are employee of the corporation.
- They are responsible for daily operation of the organization.
- There role is manage all the business activities in the business market.

ADVANTAGES:-

- Limited liability. The shareholders of a corporation are only liable up to the amount of their investments. The corporate entity shields them from any further liability, so their personal assets are protected.

- सीमित दायित्व। एक निगम के शेयरधारक केवल अपने निवेश की राशि तक ही उत्तरदायी होते हैं। कॉर्पोरेट इकाई उन्हें किसी भी अन्य दायित्व से बचाती है, इसलिए उनकी व्यक्तिगत संपत्ति सुरक्षित रहती है।

- Source of capital :- the corporation can raise their funds by selling the ownership of firm to stock holder.

- पूंजी का स्रोत :- निगम फर्म के स्वामित्व को स्टॉक होल्डर को बेचकर अपना धन जुटा सकता है।

- Unlimited life span:-

- As the ownership are transferable as the stock holder can sell their share to other stockholders very easily therefore its life is not limited as the ownership can be passed to different investors.

- चूंकि स्वामित्व हस्तांतरणीय है क्योंकि स्टॉक धारक अपना हिस्सा अन्य शेयरधारकों को बहुत आसानी से बेच सकता है इसलिए इसका जीवन सीमित नहीं है क्योंकि स्वामित्व विभिन्न निवेशकों को दिया जा सकता है।

- DISADVANTAGES:-

- It has only one major disadvantage.

- *Double taxation*. Depending on the type of corporation, it may pay taxes on its income, after which shareholders pay taxes on any dividends received, so income can be taxed twice.

ENTREPRENUER

- They are owner of the business.
- They are visionary people & bear all risk.
- They focuses on starting & expanding of organization.
- They are rewarded by profit for their risk bearing exercise which is uncertain & sometimes may be negative also.
- They requires innovative talents.
- They are decision makers.

MANAGER

- They are just employee of organization.
- They work for salary & doesn’t bears any risk.
- They focuses on day to day operation of the organization.
- They are rewarded with increment in salary, bonus, allowance which is fixed & always positive that is certain in nature.
- They requires conceptual skills.
- They are decision implementers.

START-UP	ENTREPRENUERSHIP
➢ High innovation:- There has to be a definite uniqueness in business model, product & services start-up is offering.	➢ Limited innovation:- They may adopt existing business ideas & technology
➢ Lesser initial profit :- most start-up doesn’t early profit ,however when idea clicks it will earn large revenue.	➢ Higher initial profit :- They expect higher profit in early phase of business.
➢ Stat-up should have scalable ideas:- this means when idea clicks it can be applicable to different geographical areas.	➢ Limited expansion potential thus doesn’t requires scalable ideas.
➢ They are not localized that is having no fixed market place.	➢ They localized that is having fixed market place.
➢ High in risk.	➢ Less in risk.